KENDRIYA VIDYALAYA ADILABAD

VIDYALAYA PATRIKA

2019-20

"SPANDAN"

केन्द्रीय विद्यालय

विद्यालय पत्रिका
2019-20
केन्द्रीय विद्यालय आदिलाबाद

It is indeed a matter of great joy that Kendriya Vidyalaya Adilabad has taken the initiative to launch E-Magazine for the session 2019-2020. Vidyalaya Magazine is the platform for the creative talent of its students. It is a mirror that reflects media & literary activities of the Vidyalaya. It is a step-up in the ladder of all round development and a better forum for all the budding-writers and staff of the Vidyalaya. I wish that the endeavor of Kendriya Vidyalaya Adilabad in publishing this EMagazine meets success. I sincerely hope that the initiative which is being planted as a sapling, takes a luxuriant growth to enhance the talent of the students. I congratulate the staff & students who are involved in this venture and wish everyone, the very best in all their efforts with warm greetings.

SMT. RANJANA JHA
PRINCIPAL

॥ सरस्वती वंदना ॥

वेबदुनिया
http://www.webdunia.com
सरस्वती वंदना
हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे॥
जग सिरमौर बनाएं भारत,
वह बल विक्रम दे। वह बल विक्रम दे॥
हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे॥
साहस शील हृदय में भर दे,
जीवन त्याग-तपोमर कर दे,
संयम सत्य स्नेह का वर दे,
स्वाभिमान भर दे। स्वाभिमान भर दे॥1॥

हिंदी अनुभाग

- *प्यारे पापा*
- *प्रकृति*
- *एक बुढ़ाआदमी और एक बंदर*
- *पुस्तक*
- *अभिमान*
- *हस्तनिर्मित राखियाँ और ग्रीटिंग काईस कार्यक्रम*
- *संदेश*
- *मेरे देश*

प्यारे पापा

1) भारत का राजा नरेन्द्र मोदी है
समुद्र का राजा बलुवेल है
जंगल का राजा शेर है
एक बेटी का राजा उसके पिता है

2) कवि की शान है उसके काव्य मै!
रेसर की शान है उसकी पेहचान मै!
गायक की शान है उसकी आवाज मै !
पिता की शान है उसकी बेटी मै!

3) मॉ ने चलना िसखाया!
भाई ने दुसराे प्रति व्यवहार
परन्तु पिता ने जग से न्याय सिखाया!

4) कवी की इज्जत होती है, उसके काव्य मै!
रेसर की इज्ज़त होती है, उसकी मेडल मै!
गायक की इज्जत हाेती है, उसकी गायकी मै!
एक पिता की इज्जत हाेती है, उसकी बेटी मै

Tejal W. Class 9th

प्रकृति

प्रकृति व्यापकतम अर्थ मे प्रकृतिक,पदार्थिक या ब्रह्मांड हैं। प्रकृति का अध्ययन ,विज्ञान के अध्ययन का बड़ा हिस्सा है। हमारे चारों ओर हम जो भी प्राकृतिक के चीज देख़ते है वह प्रकृति ही है । इस धरती पर जीवन प्रकृति के कारण ही सम्भव है।प्रकृति
के बना हम नही है। धरती पर हर स्थान पर प्रकृति एक जैसी नही है।स्थान के अनुसार प्रकृति अपना रूप -रंग बदल लेती है ।प्रकृति पानी ,पेड़ ,वातावरण और दूसरे रूप मे रहती है।

श्रीजा
class 8

एक बुढ़ाआदमी और एक बंदर

एक बार एक बुढ़ा आदमी अपने काम के लिए एक गांव से दूसरे गांव जा रहा था । चलते-चलते आदमी को बहुत जोर की भूख लग गई । बुढ़ा आदमी भोजन की तलाश में इधर-उधर देखने लगा। अचानक उसे एक आम का पेड़ दिखा पर उस पेड़ पर एक बंदर बैठा था । वह बंदर किसी को भी पेड़ के पास नही आने देता था। बुढ़ा आदमी सोचने लगा कि यह बंदर मुझे पेड़ से आम तोड़ने नही देगा। आदमी सोचने लगा कि बंदर तो इंसान की नकल करते है। बुढ़ा आदमी नीचे से पेड़ पर पत्थर फेंकने लगा। बंदर बुढ़ा आदमी की नकल करते हुए उपर से आम फेंकने लगा इस तरह से बुढ़ा ने अपना भूख मिटाया। इस कहानी से हमे शिक्षा मिलती है कि-सूझ बुझ से जो आदमी काम करते है। वह हमेसा सफल होता है।

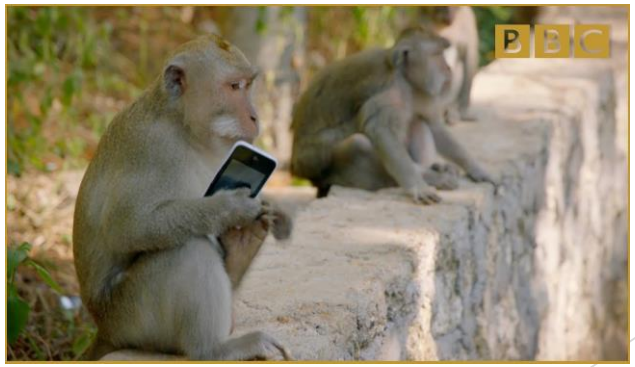

पुस्तक

सुनो पुस्तक को पढ़ने वालो,
विघा की सीढ़ी चढ़ने वालो।
पनने पकड़ - पकड़ मत फाड़ो,
रूप सही न मेरा बिगाड़ो।
स्याही मुझ पर मत गिराओ।
और न पैरो तले दबाओ,
हो सके तो कवर चढ़ाओ,
बस्ते मे हर रोज सजाओ।
मै ही देती ज्ञान न्यारा,
जिवन भर देते साथ तुम्हारा।
करो न तुम अपमान हमारा,
मुझसे ही चलता काम तुम्हारा।

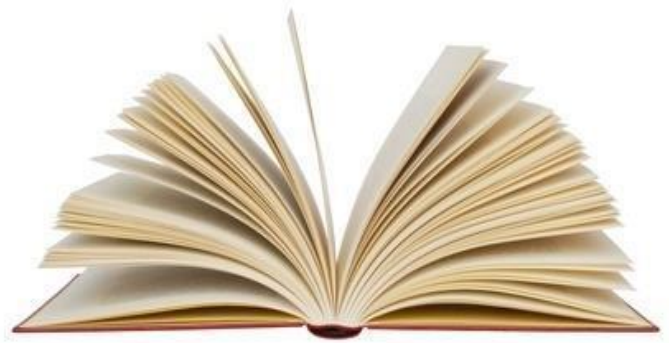

Richa class 9

अभिमान

आज राष्ट्र जहा धारा 370 खत्म होने का जश्न मना रहा है, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा कर रहा है, त्रिपल तलाक को अवैध मान रहा है, new motor vehicle, regulation of surrogacy bill, protection of transgender persons, occupational safety bill इत्यादि 26 बिलो को मानसून सत्र मे पास कर अबतक का most productive संसद सत्र होने की खुशी मना रहा है। ऐसे मे आइये आज इस 73वें महान राष्ट्र पर्व के दिन अपने आप को इस धरती पर जन्म लेने के लिये धन्य माने तथा इस पर न्यौछावर हो अपने आप को जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त होने का प्रण करे।

- स्वतंत्रता का आहवान दिवस यह,
  अभिमान कर मनुष्य अभिमान कर।
  मात भूमि की अस्मिता का ना कभी,
  अपमाने कर मनुष्य ना कभी अपमान कर।।

- जन्म जिस कोख से ली,
  तत्व पाच पोषक मिला।
  है धरा, यह आर्य की,
  होकर खड़ा तू जिस पर चला।।
  लाख दुर्योधन हो यहाँ पर,
  है पार्थसारथी भी यहा।
  तनिक मुद्रा की लालसा मे, राष्ट्रभक्ति का,
  ना कभी अवसान कर मनुष्य ना कभी अवसान कर।।
  शिलालेख, पाषाण प्रस्तर, स्मारकों में,
  गूंज रही जिसकी गाथा।
  सीगरमाथा है, एक तरफ तो,
  महासागर चरण धुलाता।।
  अरावली, विंध्य, पश्चिमी घाट,
  है हृदय, उदर बन मुस्काते।
  गंगा, कृष्णा और गोदावरी,
  धुन घुंघुरू की जहा सुनाते।

- फिर किसी द्रौपदी का चीर हरण कर,
  ना दुःषाशन सा अरमान कर मनुष्य ना दुःषाशन सा अरमान कर।।

  है जहां सुदामा, बन कृष्ण वहाँ तू,
  हर शबरी का, बस राम बन तू।
  हमीद, सोमनाथ, करम सिंह सी,
  परमवीर इंसान बन तू।।
  और क्या कहू इस 73वें स्वतंत्रता दिवस पे,
  भारत माता की पहचान बन तू।
  हो न्यौछावर बस राष्ट्र प्रेम हित,
  परम पद पर विश्राम कर मनुष्य परम पद पर विश्राम कर।।
  स्वतंत्रता का आहवान दिवस यह,
  अभिमान कर मनुष्य अभिमान कर।
  ।। जय हिन्द ।।

हस्तनिर्मित राखियाँ और ग्रीटिंग काईस कार्यक्रम

विद्यालय में दिनांक 8 अगस्त 2019 को हस्तनिर्मित राखियाँ और ग्रीटिंग काईस बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । विद्यालय के छात्रों ने भारतीय सेना के जवानों तथा वैज्ञानिकों के लिए स्वयं राखियाँ और ग्रीटिंग काईस बनाए। इस प्रतियोगिता में कक्षा छटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 73वें स्वतन्त्रता दिवस पर विद्यालय की कक्षा पाँचवीं और कक्षा छटी ने NCC 32 फलटन आदिलाबाद (तेलंगाना) के जवानों को स्वयं के द्वारा बनाई गयी राखियां बांधी और भारतीय सेना को समर्पित ग्रीटिंग काईस उफार के रूप मे प्रदान किए ।

73वांस्वतन्त्रता दिवस-2019

विद्यालय में 15 अगस्त 2019 को73वें स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मैडम अभिलाषा अभिनव सहायक कलेक्टर (आदिलाबाद) थी ।

संदेश

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊंचे बन जाओ;
सागर कहता लहरकर
मन मे गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है,
उठ-उठ गिर-गिर तरल तरंग;
भर लो भर लो अपने दिल मे
मीठी मीठी मृदुल अमंग।

पृथ्वी कहती धेर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार;
नभ कहता है फैलो इतन,
ठक लो तुम सारा संसार।

-निकिता ix

मेरे देश

मेरे देश का नाम भारत है।
मेरा देश बहुत महान है।
मुझे मेरा देश बहुत अनोखा लगता है।
मेरे देश में 28 राज्य है।
मेरे देश मे बहुत सारे धर्म है।
जो भारत को धार्मिक देश बनाता है।
मेरे देश मे बहुत सारे रीति रिवाज,संस्कृति है जो पत्थर को भी पूजते है।

-नेहा ix

ENGLISH SECTION

- *SCHOOL*
- *ISRO*
- *TOURNAMENT OF FIGHT*
- *HIMALAYAS*
- *MY COUNTRY*
- *THE MATCH OF CRICKET*
- *SALUTE*
- *OH FRIEND*
- *THE CLEVER RABBIT*

School

School is a place for four
Where all learn more.
It is where one reads,
And knows and does good deeds.
It is also a place where one plays,
And on one's victory yay he says,
And also where one starts with zero,
Wit it he'll become here.
It is where one spends with his classmates,
And extends his happiness.
A student when in school thinks it is a hell,
But when he gets out, he realizes it as heaven as well.
"School hood is the best part of life, enjoy it as much as you can ".

Shamma asmin
Class:8th

1.ISRO

1.ISRO's maiden lunar mission, Chandrayaan discovered water on the moon.
Back in 2009, NASA confirmed that it was India'sMoon Impact Probe (MIP) on board country's unmanned lunar craft which detected evidence of water on the moon.

2. India has its own space observatory, thanks to ISRO.
AstroSat, India's first dedicated space observatory may be 10 times smaller than Hubble Telescope but is the first space telescope launched by a developing country

3. ISRO’s first satellite was a nanosatellite weighing just 40kg.
Although India isn't well-known for manufacturing nanosatellites, ISRO Chairman Nair, once revealed that ISRO’s first satellite many years ago was a nano one, weighing just 40 kg.

4. ISRO discovered three species of rare bacteria.
One of most important achievements of ISRO was the discovery of three species of bacteria in the upper stratosphere at an altitude of between 20–40 km. The bacteria, highly resistant to ultra-violet radiation, are not found elsewhere on Earth.

5. Britain once hired a rocket from ISRO.
In July 2015, ISRO launched 5 British satellites. Britain not only rented premium space from ISRO but also hired a rocket for the first time

Adupu Aditya Ram
class 6

TOURNAMENT OF FIGHT

I went to see the tournament of fight
everyone was shouting no one was quite
name of the first fighter was Mr Right
Name of second player was Mr wright
The powerful fighter was Mr Right
The powerless fighter was Mr wright
The Right thought he will be the highlight
But the winner of the fight was wright
Right was sad everyone was in dynamite
The fighter wright was highlight.

S.Youvraj
class 8

HIMALAYAS

With Himalayas in the north Indian ocean in the south Arabian sea in the west Bay of Bengal in the east. I love my nation With developed culture And beautiful sculpture The people have no rest To do their work best. I love my nation They give us rice in ration They dress in latest fashion They do many inventions Which are about fiction. I love my nation With number of hill station Which are God's creation It give us protection And save us from tension .

J. KARTHIKEYA
CLASS: 9TH.

My country

1. Name of my country is India
2. It is a very beautiful country
3. It is a very vast in area
4. Capital of India is New Delhi
5. Hindi is a national language of India
6. It is also called Bharat & Hindustan
7. Currency of India is rupee
8. It is a peninsula island
9. It is surrounded by water on 3 sides
10. There are Himalayas in North of India
11. There is Indian Ocean in the South
12. It is also known for its monuments & relics
13. People of India are very kind
14. I respect my country
15. I am proud of my country.

Name:- S. Harshitha
Class:- 7th

THE MATCH OF CRICKET

Once there lived ram and joy in almora . Ram and joy they both are studying in same school named vishwavidyalaya . Ram was belongs from poor family but joy was rich and he was always overconfident and proud to be rich and of his knowledge. Once there was a cricket match after one week. Joy was well known about the cricket. But ram doesn't know anything about cricket. The day cricket match is coming soon. The joy is not prepared or practiced for the cricket match . He was thinking that we only win the this match. He wasted one week but ram he did lot of hardwork , he determined that i can do this , and we can win this game. After one week it was the day of cricket! It was a large ground sorrounded with hundreds of people. When was ram practicing , his hand got fractured but he did not gave up he kept on practicing . Joy was proud and overconfident but ram once closed his eyes and took the name of lord shiva at that time he was confident, joy was thinked we only win the game but at last ram team was won and selected for the regional level . Hardwork never goes waste. If we work hard we can deffinetly get success.

M. ruchita

SALUTE

Salute India, salute armed forces:-
Let's honor our armed force,
The men and women who serve,
Whose dedication to our country
Does not falter, halt or swerve.

Let's respect them for their courage;
They're ready to do what's right,
To keep India safe
So we can sleep better at night.

Let's support and defend Indian soldiers,
Whose hardship are brutal and cruel,
Whose discipline we can't imagine,
Whose follow each order and rule.

Here's to those who choose to be warrior
And their helpers good and true;
They're fighting for Indian value;
They're fighting for me and you .

CH . AARTHI
CLASS 8

Oh friend

Be along with me
And be with me
He is the one I trust the most
Any time if I am sad
He is there my side
He came as a ray of light and
Made my life bright.
My friend is a giver
He gives and gives
He never tired of giving
My friend is a soldier
He protects from my problems
My friend is a well wisher
He always thinks of me.
My friend is a caretaker
He cares me a lot and lot
Oh friend...
I will trust

You are the best ....

Sai harshith. T
Class 8th

The clever rabbit

Once up on a time in forest there is a lion who kill animals always. So one day all animals meet together and discuss about the lion. So the rabbit said that daily one animal go to lions cave as food of lion. So daily a animal go to lion cave as food of lion. So one day the choice of rabbit to go to the cave as food of lion. But the clever rabbit go to the lions cave and said to the lion “when I am coming to cave I saw a lion hidden in well “ The rabbit said to the lion so they went to the well and they saw the reflection of the lion, so lion think that it is another lion so the lion jumps into the well and the lion died. All animals celebrated and lived happily.

M . YASHWANTH
VI th class, R. No. 36

SANSKRIT SECTION

- पठनकौशलम्
- वैशाखी
- गङ्गानदी
- सुभाषितानि
- महाभारतम्
- अस्माकं प्रथमः राष्ट्रपतिः
- कालोऽहम्

पठनकौशलम्

वर्तमानयुगं विज्ञानमयम्। अस्माकं सर्वासु क्रियासु विज्ञानतत्वानि एवं विराजन्ते। पठनक्रियाम् एव पश्यन्तु । पठने अपि विज्ञानस्य सिद्धान्ताः अनुकरणीयाः । यदि न करिष्यामः तर्हि नेत्रयोः विकारः भवितुं शक्नोति। पुस्तकं यदि नेत्रयोः अतिसमीपं भवति तर्हि पठितुं न शक्यते। अपि च प्रतिदिनं च सुर्योदये नेत्रव्यायामः करणीयः । यत् कारणेन पठने वाधा न जायते।

रेहान
कक्षा- x

वैशाखी

इदं पर्व रास्यस्य उत्सवः अस्ति। अप्रिलमासं यावत् क्षेत्रेषु रबीशस्यं परिपक्वं भवति। अतः तस्य कर्तनात् पूर्वं कृषकाः तेषां परिवारः च कृषिकार्यस्य उपकरणानि दात्रं खनित्रम् आदीनि पूजयन्त धान्यस्य कृते च कृषिकार्यस्य उपकरणानि भगवतः धन्यवादं कुर्वन्ति । पश्चात् च कर्तनस्य आरम्भं कुर्वन्ति। एतस्मिन् दिवसे कृषकाः भगवन्तं नवान्नस्य भोगम् अर्पयन्ति, नवीन - वस्त्राणि धारयन्ति मिलित्वा च आमोदं कुर्वन्ति। वैशाखी तु न केवलं पञ्जाबवासिनां सिखानां च उत्सवः। अयं तु मुलरूपेण रास्योत्सव । बङ्गप्रदेशे अयं नववर्ष नाम्ना केरलप्रदेशे विषु नाम्ना असमराज्ये रोङ्गलीबीहु नाम्ना पजावराज्य च वैशाखी नाम्ना सम्पन्न भवति।

पावनी
कक्षा-ix

गङ्गानदी

इयं गङ्गानदी अस्ति। गङ्गा अतीव विशाला नदी अस्ति। गङ्गा हिमालयात् आगच्छति। हिमालये नाना तीर्थानि सन्ति। गङ्गायाः नीरे हरिद्वारम्, प्रयागः , वाराणसी च प्रसिद्धानि तीर्थानि सन्ति। पाटलिपुरम् अपि गंगातीरे अस्ति। इदं विशालं नगरम्। प्रयागे गंगा -यमुनयोः संगमः अस्ति।

गंगायां पोताः नौकाः च चलन्ति। नौकायां जनाः अल्पाः एव तिष्ठन्ति। पोतेषु जनाः पदार्थान् नयन्ति। प्राचीनकाले पोताः एव यात्रासाधयन्ति आसन्। अधुना यन्त्रचालिताः पोताः नौकाः च चलन्ति।।

तनिषा
कक्षा-ix

सुभाषितानि

माता गुरुतरा भूमेः खात पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातोश्चिन्ता बहुतरी तृणात्।।
धन्यानामुत्तमं दाक्ष्यं धनानामुत्तमं श्रुतम्।
लाभानां श्रेय आरोग्यं सुखानां तुष्टिरुत्तमा।।
मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्व न शोचति।
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।
मृतो दरिद्रः पुरुषो मृतं राष्ट्रमराजकम्।
मृतमश्रोत्रियं श्राद्धं मृतो यज्ञस्त्वदक्षिणः।।
क्रोधः सुदुर्जयः शत्रुः लोभो व्याधिरनन्तकः ।
सर्वभूतहितः साधुः असाधुः निर्दयः स्मृतः।।

निर्वचना
कक्षा-x

महाभारतम्

संस्कृत भाषायाः विशालतमः ग्रन्थः “महाभारतम्” । अयं इतिहासः महर्षि वेदव्यासेन लिखितः। अस्मिन् ग्रन्थे “लक्षा” श्लोकाः वर्तन्ते, तेनायं “शतसाहस्री” इत्यापि कथ्यते। विशालीऽयं ग्रन्थः अष्टादश पर्वसु विभक्तः । महाभारतस्य मूलकथायां यद्यपि पाण्ड-कौरवोः वोरोधादि विषयाः वर्णिताः भवन्ति तथापि बहुभिः उपकथाभिः अमूल्याः नीतयः अपि प्रतिपादिताः सन्ति। “विदुरनीति द्वारा राजनीतयः “यक्ष - युधिष्टिर संवादः” द्वारा धार्मिकविषयाः “भगवद्गीता” द्वारा वेनान्तविषयाः च सरलतया उपदिष्टाः भवन्ति।

रुचिता
कक्षा - viii

अस्माकं प्रथमः राष्ट्रपतिः

श्री राजेन्द्रप्रसादः अपि बिहारस्य सारन जिलास्थाने जीरादेई नाम्नि ग्रामे 3 दिसंबरं1884 ईस्वी वर्षे अजायत। तस्य पिता महादेवसाथः माता च कमलेश्वरी देवी आस्ताम्। बाल्ये मातुः रामायण-महाभारतस्य कथा वारं -वारं श्रुत्वा बालकः राजेन्द्रः धर्मभीरुः नीतिमान् सदाचारपरायणः च अभवत। 1897 तमे वर्षे द्वादश वर्षीयस्य राजेन्द्रस्य विवाहः राजवंशीदेव्या सह अभवत।

बाल्यदेव राजेन्द्रस्य हृदये अध्ययनाय तीव्र अभिलाषा आसीत्। अष्टादशवर्षीयः राजेन्द्रः प्रथमश्रेण्याम् "एण्ट्रस्" परीक्षाम् उत्तीर्णवान् प्रथमस्थानं च प्रप्तवान्। 1950 तमे वर्षे सः विधिशास्त्रस्य स्नातकोत्तरम् उपाधिम् प्राप्तवान् प्रथमं च आगत्य स्वर्णपदकम् अजयत। 1950 ख्रीष्टवर्षादारभ्य 1962 वर्षपर्यन्तं श्रीराजेन्द्रः महापुरुषः 1963 ई. 28 फव्ररी - दिवस् गोलकं अगच्छत्। सर्वकारेण सर्वोच्च- अलङ्करेण "भारततत्नेन " श्रीराजेन्द्रः सम्मानितः।

शम्मा

कक्षा-viii

कालोऽहम्

कालोऽहम् । अहं खलु कालः । विश्वस्य आत्माऽहम्। कलयामि गणयामि जगतः आयुः परमाणम्। सततं चक्रवत् परिवर्तमानः भूतं वर्तमानं भविष्यति च वीक्षमाणः अहमेव साक्षी जगतः उत्पत्तेः विकासस्य प्रलयस्य च। इदम् जगत् तु पुनः पुनः जायते विलीयते च परमहं सर्वदा विद्यमानोऽस्य सर्वं क्रियाकलापं पश्यामि। अहो किं जानीथ यूयम्, “कियती प्राचीना इयम् सृष्टिः नैव तर्हि श्रृणुत ध्यानेन।

सलोनी
कक्षा-vii

TEACHERS CORNER

क्या है खुशी ?

एक दिन मैंने,अपने दिल से पूछा
बता !तू कब खुश होता है ?
जब सुबह सुबह की,चाय मिलती है,
या फिर सूरज कीकिरणेंजब खिलती है?
जब,किसी दोस्त के नंबर से,मोबाइल की घंटी बजती है,
या फिर जब चिड़ियों की चहचहाट कानों में आती है?
जब पसंदीदा खाने की, रसोई से खुशबू आती है,
या फिर जब चमेली, जूही, गुलाब की खुशबू बयार भर लाती है ?
जब पापा की नयी गाड़ी का हार्न बजता है,
या फिर जब बादलों से रिमझिम सावन बरसता है ?
जब जन्मदिन पर, तू नये कपड़े पहन के सजता है,
या फिर जब धरती को वासंती शृंगार में सजा देखता है ?
जब "पब्जी" मे अंक बढ़ते है, स्तर बदलते जाते है,
या फिर जब लाचार प्राणियों का जीवन अपने श्रम व धन से सुधारते हैं?
बता ऐ दिल ! तू कब खुश होता है ?
क्या तब, जब तू खुशी के आंसू देता है ?

श्रीमती रंजना झा
प्राचार्य, के.वी आदिलाबाद

तंज से भरी धूप सी जिन्दगी

तंज से भरी धूप सी जिन्दगी, जंगल-सा इस शहर में । सूखे पेड़ की डाल के नीचे, छांव की आस में बैठा हूँ।

जन से भरी ये भूल्भुलाय्य, मरुभूमी इस शहर में अपने तो हैं संग मेरे , फिर मृगतृष्णा सा ख्वाब सँजोये किसे ढूँढता रहता हूँ ।

ठंडी हवा की आस लगाए , लू – जैसा इस शहर में ।सूखे पेड़ की डाल के नीचे, छांव की आस में बैठा हूँ।

(एक ऐसा दौर भी आया)

जब साथी – संगी हमसाये , सब अपने होने लगे पराये। मरीचिका इस शहर में , कुछ पाना चाहा और पाया जो कुछ, वो सब कुछ खो कर बैता हूँ ।

तंज से भरी धूप सी जिन्दगी, जंगल-सा इस शहर में । सूखे पेड़ की डाल के नीचे, छांव की आस में बैठा हूँ।

वर्षो का मैं प्यासा राही, जिस किनारे पहुंचा हूँ ।आग का दरिया इस शहर में , प्यास बुझाने बाइटा हूँ।

तंज से भरी धूप सी जिन्दगी, जंगल-सा इस शहर में । सूखे पेड़ की डाल के नीचे, छांव की आस में बैठा हूँ।

vinod kumar

A Journey of Life

We believe that we can change the things around us in accordance with our desires—we believe it because otherwise we can see no favorable outcome. We do not think of the outcome which generally comes to pass and is also favorable: we do not succeed in changing things in accordance with our desires, but gradually our desires change.

The situation that we hoped to change because it was intolerable becomes unimportant to us. We have failed to surmount the obstacle, as we were absolutely determined to do, but life has taken us round it, led us beyond it, and then if we turn round to gaze into the distance of the past, we can barely see it, so imperceptible has it become.

G. PRATHIMA

What is the full form of TEACHER?

Teacher is an English word. It is not an acronym. It specifies a person who teaches you and makes you able to face the real problems of life. Teacher is a person who educates students in school, college or university. It is one of the most respected jobs in all over the world.

Qualification

If you want to become a teacher in any government or private institution, you must have a bachelor degree. Most of the cases, master degree is required with some special qualifications like JRF, NET, PhD, B.Ed, Ded etc.

As we already state that teacher is not an acronym so there is no full form for it but some enthusiastic people show respect and love for their honorable teacher. It is also a way to show your creativity.

Full form of Teacher:

(i) Teacher

T - Talented
E - Educated
A - Adorable
C - Charming
H - Helpful
E - Encouraging
R - Responsible

RAM GOVIND

गुर्रोवचनम्

संस्कृत व्याकरणशास्त्रानुसारे विद्यार्थी इत्यस्य धातु भवति - "विद्" अनया साकम् अर्थी संयुज्य इदं शब्दं अयाति। यो विद्यमोच्छति सो एव विद्यार्थी। मम प्रियविद्यार्थीनाम् उद्येश्य अहमेकामादर्शरूपेण वैदिकविद्वांसनां अनुसृत्य कानि उपदेशानि ददन्नस्मि-

१.शिक्षाप्राप्तये पञ्चानुसिद्धान्तां सन्ति-

क.संयमः।

ख.सहनशीलता।

ग.गुरूसेवादेशानुसारणम्

घ.स्वयमेव विद्यार्तीरूपेण अद्वितीयं पश्चियम्।

ङ.सहपाटैः साकं भिन्नवत् मनहरणीयम्।

२.गुरोर्भवति सः यस्य आगमने तमसां । एतेन गुरूना साकं सुसम्यर्कं स्यात्। विद्वांस

कथयन्ति- गुरूभिः साकं छात्रैः वरणीयाः-

क.भक्तिः।

ख.विश्वासः।

ग.श्रद्धा

घ.प्रेम।

३.प्रतिदिनं विद्यार्थीनां ईशोपनिदि वर्णिततं इदं श्लोकं मनसा वाचा वक्तवम्-

हिरणमयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।

तत्तं पुषन्नपावृणु सत्यधर्मापि दृष्टम्।।

(सुनहरे पात्र सत्य का मुख ढका हुया है। है सर्वपोषक। तु उस् ढक्कन को हटा और सत्य को प्रकट जिससे कि सत्य धर्मनिष्ट साधक को उसका दर्शन हो)

४.बुद्ध्याः अष्टगणाः विद्वांसः कथयन्ति-

शुश्रु, श्रवण चैव ग्रहणं धारणं तथा।

ऊहोपोहार्थविज्ञानं तत्त्वज्ञानं च धीगुणाः।।

अच्छा सुनने की इच्छा , सुनना, लेना (ग्रहण करना) , धारण करना , पक्ष मे बोलना , विपक्ष मे बोलना , अर्थो का ज्ञान तथा तत्वे का ज्ञान , ये बुद्धि के आट गुण है।)

५.माधुर्यमक्षराव्याप्तिः पदच्छेदस्तु सुस्वरः।

धैर्यं लयसमर्थं च षड़ेते पाठका गुणाः।. (मधुरता, स्पष्ट बोलना बड़े - बड़े शब्दो को तोड़कर बोलना, सुन्दर स्वर (मीठे स्वर) में बोलना धैर्यपूर्वक बोलना । लय सहित बोलना , ये पाठकों के आट गुण है।

(मम प्रियछात्राः भवन्तः सर्वदा उपरि उक्तानि वचनानि छात्रजीवने निधाय अग्रे गछन्तु।)

किशोर दत्त

प्र.स्ना. शि. (संस्कृत)

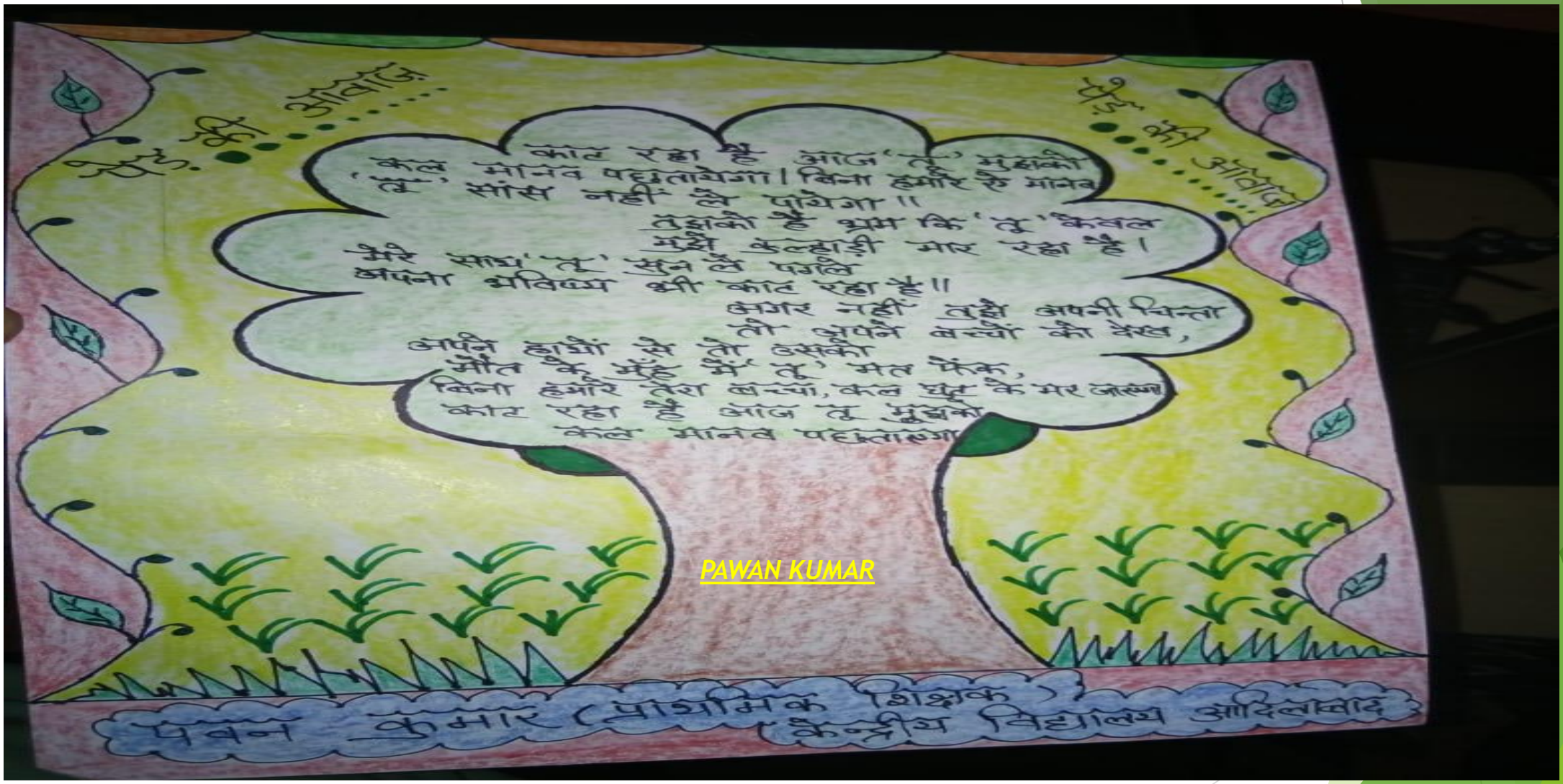

पेड़ की आवाज़......
पेड़ की आवाज़......
काट रहा है आज 'तू' मुझको, कल मानव पछतायेगा। बिना हमारे रे मानव 'तू' सांस नहीं ले पायेगा ॥
तुझको है भ्रम कि 'तू' केवल मुझे कुल्हाड़ी मार रहा है।
मेरे साथ 'तू' सुन ले पगले अपना भविष्य भी काट रहा है ॥
अगर नहीं तुझे अपनी चिन्ता तो अपने बच्चों को देख,
अपने हाथों से तो उसको मौत के मुँह में 'तू' मत फेंक,
बिना हमारे तेरा बच्चा, कल घुट के मर जायेगा
काट रहा है आज तू मुझको कल मानव पछतायेगा
PAWAN KUMAR
पवन कुमार (प्राथमिक शिक्षक) केन्द्रीय विद्यालय आदिलाबाद

RAJESH PATLE

चित्रकला

E. ANJALI CLASS 8

KARGIL
1999

RUCHITA CLASS 8

SAI RASAGNYA CLASS 8

ANANDITA SAH
CLASS VI

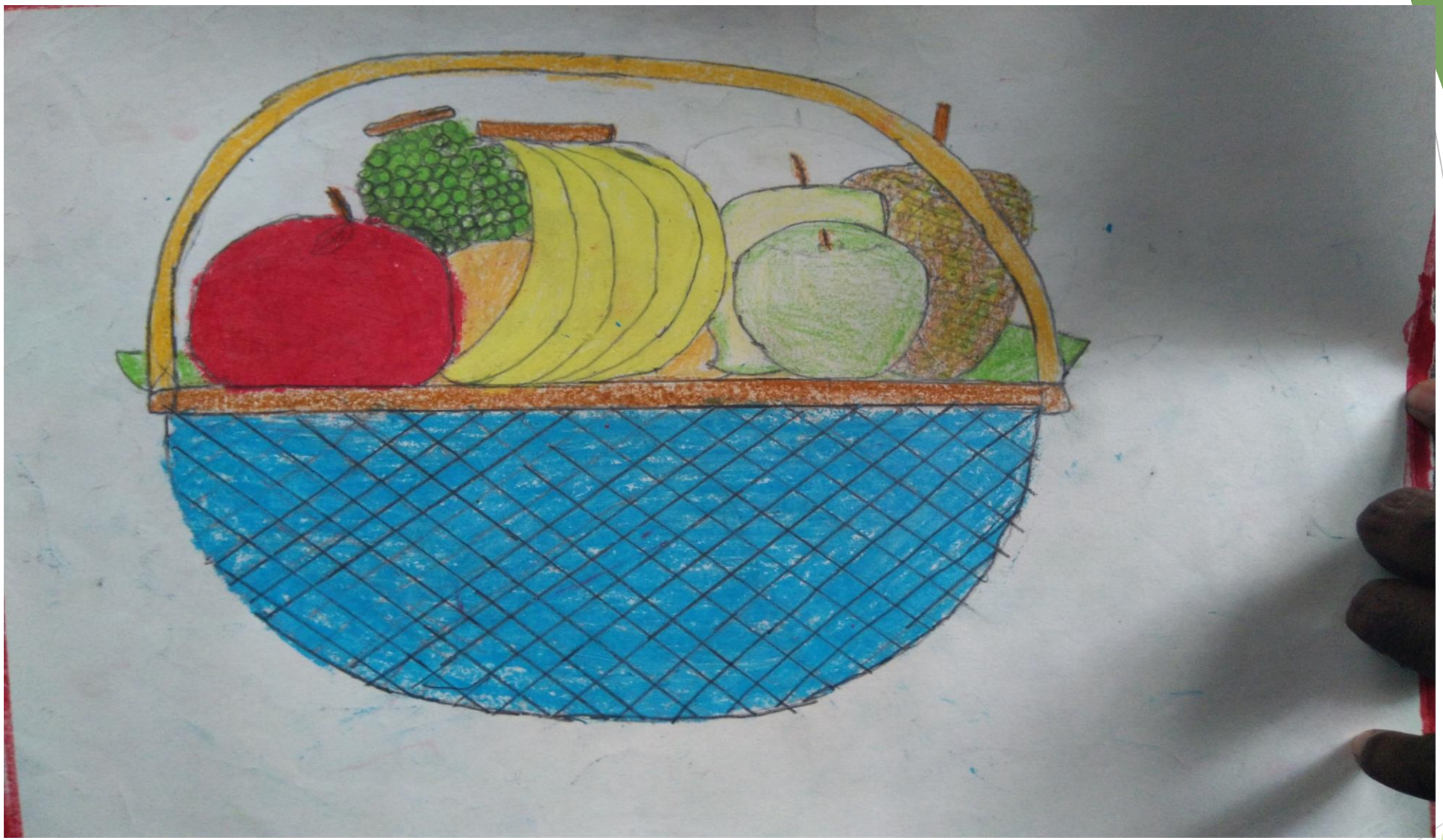

ROHAN CLASS 10

VISHAKA CLASS 9

चित्रों के दर्पण में

30TH JANUARY 2019 GANDHI'S DEATH ANNIVERSARY 2019

AEP PROGRAMME 2018-19

CAREER GUIDANCE ON AGRICULTURE 14/02/2019

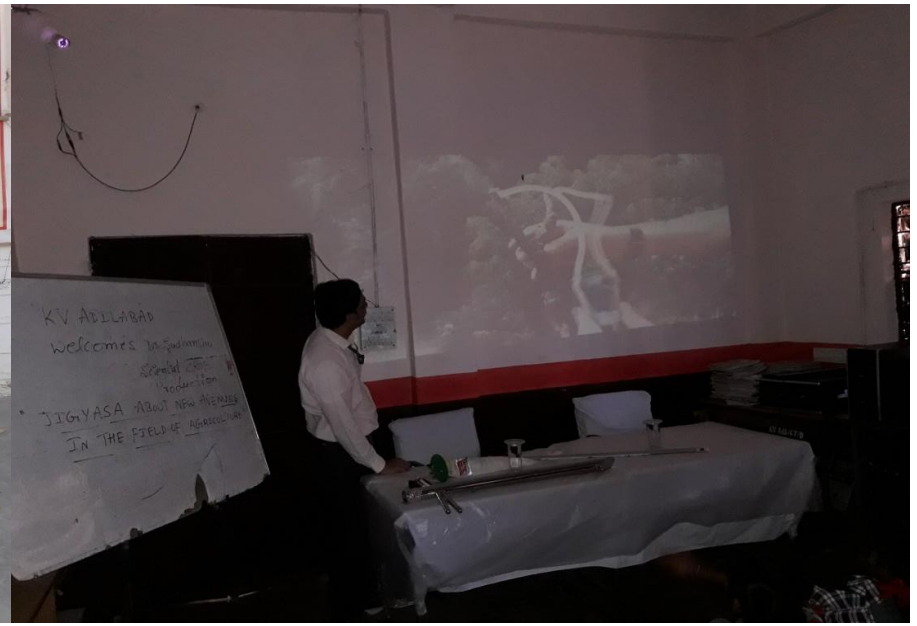

ANNUAL SPORTS DAY

CELEBRATION OF BHASHA SANGAM WEEK NOVEMBER 2018

CELEBRATION OF GRANDPARENTS DAY ON 14TH NOVEMBER 2018

CELEBRATION OF INTERNATIONAL YOGA DAY 21ST JUNE 2018-19

CELEBRATION OF NATIONAL SCIENCE DAY 28TH FEB 2018

EARTH DAY

केन्द्रीय विद्यालय आदिलाबाद
केन्द्रिय विध्यालय आदिलाबाद में स्वागत है
आयोजन :- EARTH DAY
दिनांक :-
स्थल :- आदिलाबाद
समय :-
KENDRIYA VIDYALAYA
ADILABAD

KV FOUNDATION DAY CELEBRATIONS

MAKING THE TOWN FREE FROM PLASTIC CARRY BAGS (BEHTAR INDIA)

SANSKRIT WEEK CELEBRATION FROM 23TH AUGUST TO 29TH AUGUST 2018

SHAHEED DIWAS-2018

KVS CLUSTER NATIONAL INTEGRATION CAMP 2018-19

NATIONAL READING DAY 2018-19

NATIONAL YOUTH DAY

PARIKSHA PE CHARCHA 2018

NCC BATTALION CAMP MEET 15TH AUGUST INDEPENDENCE DAY 2018

ROUTE2ROOTS (2018-19)

RELIEF MATERIAL FOR KERALA FLOOD ON 14TH AUGUST 2018

SAMRAKSHNA SCHOOL(PHYSICALLY CHALLENGED) VISIT ON 25TH AUGUST 2018

SCIENCE EXHIBITION (2018-19)

SWATCH BHARATH MISSION UNDER BEHTAR INDIA ON 15TH SEPT 2018

THINKING DAY CELEBRATION -2018

WELCOME DAY OF CLASS 1

पुस्तकोपहार (2018-19)

"Raise your children to love and embrace others. Tell them they are beautiful, they may grow up to be stars one day, and "beautiful" will never mean as much in a magazine as it will coming from you"